15वाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन

प्रिलिम्स के लिये:

ब्रिक्स, न्यू डेवलपमेंट बैंक

मेन्स के लिये:

समूह और समझौते, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन

स्रोत: द हिंदू

चर्चा में क्यों?

हाल ही में दक्षिण अफ्रीका द्वारा जोहान्सबर्ग में 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया, **भू-राजनीतिक परिवर्तनों** और **वैश्विक आर्थिक गतिशीलता की पृष्ठभूमि** में इस सम्मेलन का काफी महत्त्व है।

- विशेष रूप से यह शिखर सम्मेलन वर्ष 2019 में **कोविड -19 महामारी** के बाद पहली व्यक्तिगत बैठक है।
- **15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन** का विषय "**ब्रिक्स और अफ्रीका: पारस्परिक रूप से त्वरित विकास, धारणीय विकास और समावेशी बहुपक्षवाद के लिये साझेदारी (BRICS and Africa: Partnership for Mutually Accelerated Growth, Sustainable Development and Inclusive Multilateralism)**" है।

15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के प्रमुख बिंदु:

- **ब्रिक्स का विस्तार:**
  - ब्रिक्स में शामिल देशों की सदस्य संख्या पाँच से बढ़कर ग्यारह होने के उपलक्ष्य में 15वें शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया, यह इसकी वैश्विक स्थिति को बेहतर बनाने की दिशा में एक ठोस प्रयास को दर्शाता है।
    - मिस्र, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, इथियोपिया और अर्जेंटीना के ब्रिक्स में शामिल होने से मध्य-पूर्व, अफ्रीका व दक्षिण अमेरिका में इस समूह का प्रतिनिधित्व बढ़ गया है।
  - इनकी पूर्ण सदस्यता 1 जनवरी, 2024 से प्रभावी होगी।
  - प्रारंभिक ब्रिक्स सदस्य देशों में दो प्रमुखताएँ समान थीं: बड़ी अर्थव्यवस्था और उच्च संभावित विकास दर।
    - विस्तारित ब्रिक्स-11 एक कम सुसंगत समूह है; कुछ देश संकट के दौर से गुज़र रहे हैं, जबकि अन्य फल-फूल रहे हैं। यह अर्थव्यवस्था की दृष्टि से एक अलग एजेंडे के विस्तार का संकेत दे सकता है।
- **ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का भारत के लिये महत्त्व:**
  - वास्तविक नियंत्रण रेखा पर **भारत-चीन सैन्य गतिरोध** के बाद आयोजित यह पहली व्यक्तिगत बैठक भारत के लिये महत्त्वपूर्ण है।
    - **भारत के प्रधानमंत्री और चीन के राष्ट्रपति के बीच द्विपक्षीय वार्ता के बाद** दोनों देश **सैनिकों को एक दुसरे की सीमा को पार न करने और LAC पर तनाव को कम करने के प्रयास** किये जाने पर सहमत हुए हैं।
  - भारत ने **सदस्यता मानदंडों का मसौदा तैयार करने और नए प्रवेशकों के बीच रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देने में** महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
    - भारत अपने सहयोगियों के नेटवर्क का विस्तार करने और अपने भू-राजनीतिक प्रभाव को बढ़ाने के लिये ब्रिक्स का लाभ उठाता है।
  - भारत ब्रिक्स को "पश्चिम-विरोधी" समूह के बजाय "गैर-पश्चिमी" समूह के रूप में देखता है, जो इस मंच के दृष्टिकोण की विविधता पर ज़ोर देता है।
    - नेतृत्त्व की उद्घोषणा के लिये भारत चीन और रूस के साथ संबंधों को मज़बूत करने की उम्मीद करता है।
  - भारतीय प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिये **ब्रिक्स अंतरिक्ष अन्वेषण संघ** स्थापित करने का प्रस्ताव रखा।
  - भारत ने लुप्तप्राय बड़ी बिल्लियों की सुरक्षा के लिये अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट एलायंस के तहत ब्रिक्स के देशों के सहयोग का आह्वान

कयिा।

- **भू-राजनीतकि संदर्भ और महत्त्व:**
  - इस शखिर सम्मेलन का काफी महत्त्व है क्योंकि **वर्ष 2022 में** [यूक्रेन पर रूसी आक्रमण](#) के बाद से **वैश्वकि स्थरिता और सुरक्षा प्रभावति** हुई है।
  - ऐसा माना जाता है कि ब्रकि्स में होने वाली चर्चाएँ "पश्चमिी वरिोधी" दृष्टकिोण रखती हैं।
  - **यूक्रेन संघर्ष पर रूस को "अलग-थलग"** करने के प्रयासों के बीच **ब्रकि्स के वचिार-वमिर्श का महत्त्व बढ़ गया है।**
- **संयुक्त राष्ट्र सुधार:**
  - भारत और अन्य ब्रकि्स सदस्य [संयुक्त राष्ट्र के सुधार](#) को अधकि लोकतांत्रकि, प्रतनिधित्विपूर्ण, प्रभावी और कुशल बनाने के लयि सुरक्षा परषिद सहति इसका समर्थन करते हैं।
- **जलवायु परविर्तन:**
  - ब्रकि्स सदस्य [जलवायु परविर्तन](#) **से उत्पन्न चुनौतयिों का समाधान** करने के साथ-साथ **कम कार्बन और कम उत्सर्जन वाली अर्थव्यवस्था के लयि उचति, कफियती एवं टकिाऊ संक्रमण सुनश्चिति करने पर सहमत हुए।**
    - पाँचों देशों ने वकिसति देशों से उदाहरण पेश करके नेतृत्व करने और ऐसे बदलावों के लयि वकिासशील देशों का समर्थन करने का आह्वान कयिा।
    - ब्रकि्स देशों ने जलवायु परविर्तन से नपिटने के बहाने कुछ वकिसति देशों द्वारा लगाई गई व्यापार बाधाओं का वरिोध कयिा।

ब्रकि्स

- **परचिय:**
  - ब्रकि्स वशि्व की अग्रणी उभरती अर्थव्यवस्थाओं- **ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन तथा दक्षणि अफ्रीका** के समूह का **संक्षपि्त रूप** है।
  - वर्ष 2001 में **ब्रटिशि अर्थशास्त्री जमि ओ'नील** ने ब्राज़ील, रूस, भारत और चीन की चार उभरती अर्थव्यवस्थाओं का वर्णन करने के लयि BRIC शब्द गढ़ा।
  - **वर्ष 2006 में** BRIC वदिश मंत्रयिों की पहली बैठक के दौरान इस समूह को **औपचारकि रूप दयिा गया था।**
  - **दसिंबर 2010 में दक्षणि अफ्रीका को BRIC में शामलि होने के लयि आमंत्रति कयिा गया था,** जसिके बाद इस समूह ने संक्षपि्त नाम BRICS अपनाया।
- **ब्रकि्स का हस्सिा:**
  - ब्रकि्स वशि्व के पाँच सबसे बड़े वकिासशील देशों को एक साथ लाता है, जो **वैश्वकि आबादी का 41%, वैश्वकि सकल घरेलू उत्पाद का 24% तथा वैश्वकि व्यापार का 16% प्रतनिधित्वि करते हैं।**
- **अध्यक्षता:**
  - **फोरम की अध्यक्षता** B-R-I-C-S के अनुसार, सदस्यों के बीच **प्रतवर्ष परविर्तति की जाती है।**
    - **भारत ने वर्ष 2021 ब्रकि्स शखिर सम्मेलन की अध्यक्षता की मेज़बानी की।**
- **ब्रकि्स की पहल:**
  - [न्यू डेवलपमेंट बैंक](#):
    - वर्ष 2014 में **फोर्टालेज़ा (ब्राज़ील) में छठे ब्रकि्स शखिर सम्मेलन** के दौरान नेताओं ने [न्यू डेवलपमेंट बैंक](#) **(NDB - शंघाई, चीन)** की स्थापना के समझौते पर हस्ताक्षर कयि।
    - इसने अब तक 70 बुनयिादी ढाँचे और सतत् वकिास परयिोजनाओं को मंज़ूरी दी है।
  - **आकस्मकि आरक्षति व्यवस्था (Contingent Reserve Arrangement):**
    - वर्ष 2014 में **ब्रकि्स देशों की सरकारों ने** आकस्मकि आरक्षति व्यवस्था की **स्थापना पर एक संधि पर हस्ताक्षर कयि थे।**
    - इस व्यवस्था का **उद्देश्य अल्पकालकि भुगतान संतुलन के दबाव को रोकना,** पारस्परकि समर्थन प्रदान करना तथा ब्रकि्स देशों की वत्तिीय स्थरिता को मज़बूत करना है।
  - **सीमा शुल्क समझौते:**
    - ब्रकि्स देशों के बीच **व्यापार परविहन के समन्वय** तथा सुगमता के लयि सीमा शुल्क समझौतों पर हस्ताक्षर कयि गए।
  - **रमिोट सेंसगि सैटेलाइट का प्रक्षेपण:**
    - **अगस्त 2021 में पाँच अंतरक्षि एजेंसयिों ने** ब्रकि्स रमिोट सेंसगि सैटेलाइट तारामंडल के सहयोग को लेकर **एक समझौते पर हस्ताक्षर कयि।**
      - यह तारामंडल छह मौजूदा उपग्रहों से बना है: गाओफेन-6 और ज़ियुआन III 02, दोनों चीन द्वारा वकिसति; CBERS-4, ब्राज़ील एवं चीन द्वारा संयुक्त रूप से वकिसति; कानोपस-V टाइप, रूस द्वारा वकिसति तथा रसिोर्ससैट-2 व 2A, दोनों भारत द्वारा वकिसति कयि गए।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. नम्निलखिति कथनों पर वचिार कीजयि" (2016)

न्यू डेवलपमेंट बैंक की स्थापना एन-पी-ई-सी द्वारा की गई है।
2. न्यू डेवलपमेंट बैंक का मुख्यालय शंघाई में है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- न्यू डेवलपमेंट बैंक (**New Development Bank- NDB**) का गठन ब्रिक्स डेवलपमेंट बैंक के रूप में किया गया था।
- यह ब्रिक्स देशों (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) द्वारा स्थापित एक बहुपक्षीय विकास बैंक है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- **इस बैंक का मुख्यालय शंघाई, चीन में है। अतः कथन 2 सही है।**
- फोर्टालेज़ा (2014) में छठे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रिक्स के बीच सहयोग को मज़बूत करने तथा वैश्विक विकास के लिये बहुपक्षीय और क्षेत्रीय वित्तीय संस्थानों के प्रयासों के पूरक के रूप में फोर्टालेज़ा घोषणा द्वारा न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) की स्थापना की गई थी।
- इसकी प्रारंभिक अधिकृत पूंजी 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर थी तथा प्रारंभिक सदस्यता पूंजी 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर थी, जो संस्थापक सदस्यों के बीच समान रूप से साझा की गई थी।
- **इसलिये विकल्प (b) सही उत्तर है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/15th-brics-summit